

Question: Does RDSO maintain Mark file and OMR sheets of candidates and how can we get our certified photocopy of OMR sheet?

Answer: Research Designs and Standards Organisation does not maintain the record pertaining to marks obtained by candidates in aptitude testing. The OMR sheets used in aptitude testing duly coded by concerned RRBs remain available with concerned Zonal Scientific Officers.

Question: What is the criterion to qualify in aptitude test and what is the formula to calculate T-score?

Answer: In order to qualify in aptitude tests, the candidates are required to obtain T-score ≥ 42 in each test. T-score is the normalized score statistically formulated for application all over. The formula for computing the T-score is as under:

$$T = 50 + 10 \left(\frac{x - \text{Mean}}{SD} \right), \text{ (where } x \text{ is candidate's score in the test)}$$

The above formula for obtaining T-score is scientifically established.

Question: Can aptitude test booklet and answer key given to candidates and request for re-evaluation of answer sheet permitted?

Answer: As per order passed by Hon'ble High Court, Delhi the copies of question paper, OMR sheet and answer key cannot be provided.

“Re-evaluation of answer sheet” is an action and not information to be provided to the applicant under RTI Act 2005. Thus, request for re-evaluation of answer sheet cannot be acceded to.

Question: Is cut-off criteria for determining suitability of candidates is same all over the country?

Answer: The cut-off criteria for determining suitability of candidates are same in all the RRBs, all over the country. The qualifying marks of aptitude tests for all the RRBs are same and there is no variation at all.

Question: Is there any negative marking in aptitude testing?

Answer: No, aptitude testing is meant for assessment of required cognitive attribute in a candidate and there is no negative marking in aptitude testing.

Question: Why aptitude tests are conducted and what are the categories for which aptitude tests are mandatory for recruitment in Railways? How the marks obtained by a candidate in RRB examination and aptitude testing are calculated for selection of a candidate?

Answer: As per the selection criteria approved by the Ministry of Railways, aptitude tests are administered on the candidates appearing for selection as safety category staff on Indian Railways through different RRBs at the entry level of Assistant Station Master, Assistant Loco Pilot and Motorman for assessment of cognitive ability of the candidates with a purpose to ensure that the candidates possessing the desired level of attributes, essential for safe train operation, are selected. It is also informed that the scores of a candidate in RRB examination and thereafter in aptitude test as a part thereof are apportioned in the ration of 70: 30 for preparation of the final merit list.

Question: How to calculate T Score and composite Score of a candidate in Aptitude Test?

Answer: Norms and standards as laid down from time to time shall be applied uniformly to all candidates for adjudging their suitability. The cut-off for Tests are fixed on the basis of Normalized T-score. The Mean of normalized T-score is 50 and its SD is 10. The basic parameters required to calculate T-score are Mean and Standard Deviation calculated from normalized sample. The range of the T-score is 20 to 80.

The formula to calculate T-score is:

$$T = 50 + 10 \left(\frac{x - \text{Mean}}{SD} \right), \text{ (where } x \text{ is candidate's score in the test)}$$

The T-score for dummy subject for a test can be calculated as follows:

Dummy subject score on Test 1 = 20

Mean of Test 1 on normative sample = 14

SD of Test 1 on normative sample = 3

$$T \text{ score} = 50 + 10 \times \left(\frac{20 - 14}{3} \right) = 50 + 10(2) = 70$$

Calculation of composite score is as follows-

As weightage to aptitude test is 30, the composite score of a dummy subject can be calculated as follows:

Composite T-score of a candidate having 5 tests in a battery is = 300

The max T-score a candidate can obtain having 5 tests in a battery is $(80 \times 5) = 400$.

The composite score out of 30 is :

* Out of 400 score candidate scored = 300

* Out of 30 score will be = $\frac{300 \times 30}{400} = 22.5$

प्रश्न: क्या अभ्यर्थियों के मार्क व ओ.एम.आर. शीट आर.डी.एस.ओ. द्वारा रखी जाती है? ओ.एम.आर. शीटस जांचने की पद्धति क्या है तथा क्या अभिक्षमता परीक्षण में निगेटिव अंक का प्रावधान है?

उत्तर - अभिक्षमता परीक्षण की ओ.एम.आर. शीट आर.डी.एस.ओ., लखनऊ द्वारा जांच नहीं की जाती है। अभिक्षमता परीक्षण से संबंधित रिकार्ड आर.डी.एस.ओ. में नहीं रहता है। सभी ओ.एम.आर. शीटों की जांच कम्प्यूटराइज्ड ओ.एम.आर. मशीन द्वारा संबंधित क्षेत्रीय मनोवैज्ञानिक अधिकारी एवं रेलवे के नामित अधिकारी की संयुक्त देख-रेख में की जाती है। अभिक्षमता परीक्षण में निगेटिव अंक का प्रावधान नहीं है।

प्रश्न - अभिक्षमता परीक्षण में पास होने के लिए न्यूनतम अर्हता कितनी है तथा मूल प्राप्तांक को टी-स्कोर में परिवर्तित करने हेतु क्या फार्मूला है?

उत्तर - अभिक्षमता परीक्षण में उत्तीर्ण होने के लिए न्यूनतम निर्धारित T-Score ≥ 42 है तथा प्रत्येक परीक्षण में निर्धारित न्यूनतम T-Score ≥ 42 प्राप्त करना अनिवार्य है। इससे कम T-Score प्राप्त करने की अवस्था में अभ्यर्थी अनुत्तीर्ण हो जाते हैं। सांख्यिकीय विश्लेषण के आधार पर T-Score का आकलन निम्नलिखित सूत्र द्वारा किया जाता है-

$$T = 50 + 10 \left(\frac{x - Mean}{SD} \right), \text{ (where } x \text{ is candidate's score in the test)}$$

x = अभ्यर्थीद्वारा प्राप्त अंक
Mean = मध्यमान या औसत
SD = मानक विचलन (Standard Deviation) ।

प्रश्न - क्या ओ.एम.आर. उत्तर पत्र की छायाप्रति प्राप्त करने हेतु अभ्यर्थी का उपस्थित होना आवश्यक है?

उत्तर -माननीय उच्च न्यायालय, दिल्ली द्वारा जारी आदेश के कारण अभिक्षमता परीक्षण प्रश्न पत्र, उत्तर कुंजी की छाया प्रति एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्र उपलब्ध कराना संभव नहीं है।

‘उत्तर पत्र का पुनःमूल्यांकन’ एक प्रक्रिया है न कि जानकारी अतः सूचना अधिकार अधिनियम-2005के तहत इस तरह के अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता।

प्रश्न - लिखित एवं अभिक्षमता परीक्षण के अंकों का संविभाजन किस प्रकार किया गया है तथा अभिक्षमता परीक्षण देते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए?

उत्तर - लिखित परीक्षण एवं अभिक्षमता परीक्षण में प्राप्त अंकों का संविभाजन क्रमशः 70% एवं 30% करते हुए कुल प्राप्तांक के आधार पर अन्तिम मेरिट लिस्ट संबंधित रेलवे भर्ती बोर्ड द्वारा बनायी जाती है।

अभिक्षमता परीक्षण के समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने की आवश्यकता है-

- क) परीक्षण हॉल में वैज्ञानिक अधिकारी द्वारा परीक्षण प्रारम्भ होने से पूर्व दिये जाने वाले निर्देशों को ध्यान से सुना जाए तथा उनका अनुपालन किया जाए।
- ख) प्रत्येक परीक्षण में कम से कम समय में अधिक से अधिक प्रश्नों का सही उत्तर देने की कोशिश की जाए।

प्रश्न - क्या अभिक्षमता परीक्षण में आरक्षण का प्रावधान है?

उत्तर - अभिक्षमता परीक्षण में किसी प्रकार के आरक्षण का प्रावधान नहीं है क्योंकि इस परीक्षण के माध्यम से संरक्षा कोटि (Safety categories) के कर्मचारियों का चयन किया जाता है।

प्रश्न - सहायक स्टेशन मास्टर के अभिक्षमता परीक्षण में चार परीक्षण होते हैं परन्तु अभ्यर्थियों का स्कोर पांच परीक्षणों क्यों होता है?

उत्तर - सहायक स्टेशन मास्टर की अभिक्षमता परीक्षण बैटरी में कुल 4 परीक्षण होते हैं। सहायक स्टेशन मास्टर के इन परीक्षणों की बैटरी में चौथे परीक्षण जो व्यक्तित्व परीक्षण है उसमें दो एट्रीब्यूट्स (Attributes) का मापन किया जाता है जिसके कारण अंक पांच परीक्षणों का हो जाता है। यदि अभ्यर्थी एक भी एट्रीब्यूट्स (attributes) में अनुत्तीर्ण है तो उसे असफल घोषित किया जाता है।

प्रश्न: अभिवृत्ति परीक्षण में T- स्कोर (T-Score) और समग्र स्कोर (Composite score) का मूल्यांकन अभ्यर्थी हेतु कैसे होता है?

उत्तर - मानको एवं मापदण्डों को सभी अभ्यर्थियों पर उनकी उपयुक्तता का निर्णय करने के लिए समान रूप से लागू किया जाता है। परीक्षणों के लिए कट-ऑफ सामान्यीकृत (normalized) T-स्कोर के आधार पर निर्धारित किये जाते हैं। सामान्यीकृत (normalized) T- Score का मध्यमान (Mean) 50 तथा मानक विचलन (Standard Deviation) 10 होता है। सामान्यीकृत प्रतिदर्श (normalized sample) से प्राप्त किये गये mean और SD के द्वारा ही

T- स्कोर की गणना की जाती है। T स्कोर की रेंज 20 से 80 तक होती है। T-स्कोर की गणना करने का सूत्र इस प्रकार है :

$$T = 50 + 10 \left(\frac{x - \text{Mean}}{SD} \right), (\text{where } x \text{ is candidate's score in the test})$$

एक डमी अभ्यर्थी हेतु एक टेस्ट के लिए T- स्कोर की गणना इस प्रकार की जा सकती है:

डमी अभ्यर्थी का टेस्ट 1 पर स्कोर = 20

समान्यीकृत प्रतिदर्श पर टेस्ट 1 का Mean = 14

समान्यीकृत प्रतिदर्श पर टेस्ट 1 का SD = 3

$$T \text{ score} = 50 + 10 \times \left(\frac{20 - 14}{3} \right) = 50 + 10(2) = 70$$

समग्र स्कोर (Composite score) की गणना :

क्योंकि अभिवृत्ति परीक्षण का वेटेज 30 प्रतिशत होता है, अतः डमी अभ्यर्थी के समग्र स्कोर (Composite score) की गणना इस प्रकार की जा सकती है :

एक अभ्यर्थी द्वारा बैटरी के 5 परीक्षणों में प्राप्त समग्र T- स्कोर है = 300

एक अभ्यर्थी द्वारा बैटरी के 5 परीक्षणों में प्राप्त किये जाने वाला अधिकतम T- स्कोर (80 x 5) = 400

*400 स्कोर में अभ्यर्थी द्वारा प्राप्त किया गया अंक = 300

* 30 में से प्राप्त किये जाने वाला समग्र स्कोर होगा = $\frac{300 \times 30}{400} = 22.5$